रेडियो बुन्देलखण्ड के कार्यक्रम सुनकर अपनी खेती में किया बदलाव

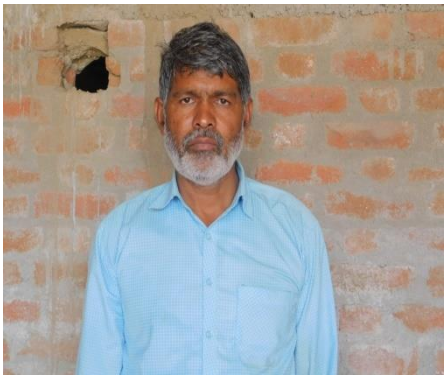

रेडियो बुंदेलखंड विगत 11 वर्षो से समुदाय के बीच, समुदाय के लिए कार्य कर रहा है | इसी सन्दर्भ में आपको बताना चाहता हूँ कि ऐसी ही कहानी है गाँव - उजयान पोस्ट - पठा जिला – झाँसी उत्तर –प्रदेश के रहने बाले सुल्तान सिंह घोष जिनकी उम्र लगभग 75 वर्ष है खेती का बहुत ज्यादा अनुभव था और उसी अनुभव से बो अभी तक अपने बेटे को बताते चले आ रहे थे कि कैसे खेती कि जाती है लेकिन उनका अनुभव पुरानी परम्परिक खेती कराने में ज्यादा था चुकी आज समय बदल गया है और किसान परम्परागत खेती को छोड़ आधुनिक खेती करना पसंद करता है क्योकि खेती में हुए वदलाव से उत्पादन में बृद्धि होती है ऐसा सुल्तान सिंह घोष का बेटा विजय सिंह (50) मानते है | विजय जी कहते है आज बहुत सारे ऐसे माध्यम है जिससे हम अपनी खेती में बदलाव कर सकते है | सरकार कि बहुत सी योजनाये है | आज कल देखा जा रहा है सरकार किसानो को प्रशिक्षण भी दिलाती है | आंगे विजय जी कहते है की हमारा गाँव मुख्य मार्ग पारीछा से काभी दूर है और पिछड़ा इलाका है लोगो के किये खेती के अलाबा रोज़गार के कोई साधन नहीं है अभी भी लोग सिर्फ खेती पर निर्भर है | विजय के पिता श्री सुल्तान सिंह ने बताया हम सोचते है कि हमारे पास काफी जमीन है और हम लोग भी उसी खेती पर निर्भर है हम चाहते है की मेरा बेटा अब खेती में कुछ नया करे लेकिन उपयुक्त जानकारी न होने के कारण ये कुछ नहीं कर पाता है | तभी एक दिन विजय घर के काम के लिए नजदीक बाजार गए जहाँ पर विजय ने एक दुकान पर कृषि का कार्यक्रम सुना, जिसमे बदल रहे जलवायु के अनुसार कौन से बीज इतेमाल करे और कौन से पद्धति अपनाये जिससे खेती में सुधार किया जा सकता है | इसे सुनकर विजय को लगा ये कार्यक्रम तो बहुत ही अच्छा है और इससे हम अपनी खेती में भी बदलाव कर सकते है | लेकिन में अपने पिता जी को कैसे तैयार करूँगा | तभी विजय ने उक्त दुकान से रेडियो सेट को खरीद लिया और अपने गाँव लेकर आ गये | विजय के पिता ने इस पर बहुत नाराजगी दिखाई और कहाँ क्यों रूपये खर्च कर दिए | तभी अगले दिन रेडियो बुंदेलखंड को अपने पिता जी सुनाया तो उनको बहुत ही अच्छा लगा और खुश हो गये लेकिन जो कार्यक्रम उन्होंने बाज़ार में सुना था उसे दोबारा कैसे सुने इसके लिए विजय ने रेडियो पर बताये जा रहे नंबर पर फ़ोन कॉल किया और अगले दिन खेत खलियान कार्यक्रम में उक्त कार्यक्रम को दोबारा सुनाने के लिए अनुरोध किया जिसे रेडियो के टीम ने स्वीकार कर लिया और अगले दिन मेने और मेरे पिताजी के साथ गाँव के अन्य किसानो ने यह कार्यक्रम सुना जो सभी को अच्छा लगा और दी गयी जानकारी से विजय कम पानी बाली गेहू के बीज की बुवाई की | अभी मेने अपने खेत में एक ही पानी दिया है और लगभग 4 बार और देना होगा | अभी फसल बहुत ही अच्छी है और मुझे यकीन है इस वर्ष अच्छा उत्पादन होगा | धन्यवाद रेडियो बुंदेलखंड जिन्होंने मुझे सही राह दिखाई और आज हम रेडियो बुंदेलखंड के नियमत श्रोता है साथ ही आज मेरे गाँव में कई लोग रेडियो सेट लेकर आये वो भी रेडियो बुंदेलखंड सुनते है सभी गाँव बालो को रेडियो अच्छा लगता है क्योकि रेडियो पर अपनी भाषा में गाने और कार्यक्रम आते है |